>

Title : Shortage of power in Bihar.

श्री राधा मोहन सिंह (पूर्वी चम्पारण): अध्यक्ष महोदया, बिहार में बिजली का जो संकट है, मैं उसकी ओर केन्द्र सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। झारखंड राज्य बनने के बाद सारी विद्युत उत्पादन क्षमता झारखंड के पास चली गई जबकि बिहार की आबादी 70 प्रतिशत रही। बरौनी और मुजफ्फरपुर मुख्य ताप बिजली घर बिहार में रह गये जिन में नगण्य बिजली पैदा हेती है। इसे राष्ट्रीय सम्पदा मानना चाहिये। जिन राज्यों में राष्ट्रीय औसत से कम बिजली है, केन्द्र से कम से कम राष्ट्रीय औसत के आधार पर बिजली उपलब्ध करायी जानी चाहिये जब तक उनके यहां उत्पादन क्षमता पैदा नहीं हो जाती। बिहार सरकार ने नयी विद्युत परियोजनाएं स्थापित करने के लिये चार साल पहले कोल लिंकेज और प्रोसैसिंग के लिये पैसा जमा कर दिया है। भारत सरकार ध्यान नहीं दे रही है । बरौनी और मुजफ्फरपुर थर्मल पॉवर स्टेशन के विस्तार की लम्बी अवधि के कोल लिंकेज को दूर करने के लिये कोई प्रयास नहीं किया गया है। बिहार की हालत यह है कि वहां 2500 मेगावाट बिजली की जरूरत है। [s38]

महोदया, हमारा 1500 मेगावाट का कोटा निर्धारित है, भीषण सूखे का संकट है और हमें 800-900 मेगावाट बिजली मिल रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि अविलंब बिहार को पर्याप्त बिजली देने का कष्ट करें।